

༄༅། རོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ74429	ImageGroup:	I4CZ74434
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྟ་མགྲིན་གསང་སྒྲུབ་ཀྱི་ཚེས་སྟོར་རྣམས་ཕྱོགས་གཅིག་ཏུ་བསྒྲིགས་པ། rta mgrin gsang sgrub kyi chos skor rnams phyogs gcig tu bsgrigs pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	4
Total Volumes:	4
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ॐ

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदगुरुर्मांसेन हतः पाण्डवस्य तपोः ॥ ३ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ४ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ५ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ६ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ७ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ८ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ९ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

五
六
七
八
九
十
十一
十二
十三
十四
十五
十六
十七
十八
十九
二十
二十一
二十二
二十三
二十四
二十五
二十六
二十七
二十八
二十九
三十
三十一
三十二
三十三
三十四
三十五
三十六
三十七
三十八
三十九
四十
四十一
四十二
四十三
四十四
四十五
四十六
四十七
四十八
四十九
五十
五十一
五十二
五十三
五十四
五十五
五十六
五十七
五十八
五十九
六十
六十一
六十二
六十三
六十四
六十五
六十六
六十七
六十八
六十九
七十
七十一
七十二
七十三
七十四
七十五
七十六
七十七
七十八
七十九
八十
八十一
八十二
八十三
八十四
八十五
八十六
八十七
八十八
八十九
九十
九十一
九十二
九十三
九十四
九十五
九十六
九十七
九十八
九十九
一百

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive style and is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the paper appears aged. The text is mostly illegible due to the quality of the scan and the cursive nature of the handwriting. Some words are faintly visible, such as "सर्व" (Sarva) and "सर्व" (Sarva) in the first line, and "सर्व" (Sarva) in the second line. The text seems to be a mix of Sanskrit and Hindi.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७१
 १. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ३. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ४. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ५. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ६. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ७. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ८. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ९. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 १०. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive style and is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the paper appears aged. The text is mostly illegible due to the quality of the scan and the cursive nature of the handwriting.

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

100

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २. अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 ३. अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 ४. द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 ५. समवेता यः पुरुषार्थसंग्रहाय ॥
 ६. मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥ ३ ॥
 ७. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 ८. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ४ ॥
 ९. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 १०. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ५ ॥
 ११. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 १२. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ६ ॥
 १३. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 १४. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ७ ॥
 १५. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 १६. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ८ ॥
 १७. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 १८. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ ९ ॥
 १९. अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 २०. पाण्डुस्य तस्यैव ततः ॥ १० ॥

१. अथ श्रीगणेशाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 २. अथ श्रीकृष्णाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ३. अथ श्रीरामाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ४. अथ श्रीबाल्याय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ५. अथ श्रीनारायणाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ६. अथ श्रीहरिनाम्नाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ७. अथ श्रीशङ्कराय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ८. अथ श्रीविष्णवे नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ९. अथ श्रीभक्तानन्दाय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 १०. अथ श्रीपद्माय नमः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, with some lines starting with a vertical line (possibly a section marker or a large initial). The script is cursive and somewhat faded. The page is framed by a simple border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकां पापमौढ्यैः पापकैः पापैश्चैव पापानि पापकैः ॥ २ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ३ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ४ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ५ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ६ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ७ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ८ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ ९ ॥
पुनरुपायं पापैश्चैव पापानि पापकैः पापैश्चैव पापानि ॥ १० ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in a cursive style and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and fills most of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The ink appears dark, and there are some lighter spots or stains visible on the paper surface.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥
 दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥ द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥
 द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥ द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥
 द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥ द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥
 द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूरात्पश्यन्मया दृष्टोऽसौ पाण्डव ॥ द्रुपदोऽसौ महाकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a cursive style and is enclosed within a rectangular border. The content appears to be a formal record or a legal document, possibly related to land or property, given the use of terms like 'पट्ट' (Patt) and 'हक' (Hak). The text is arranged in several lines, with some lines starting with 'पट्ट' and others with 'हक'. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark, suggesting it might be an old document. The overall appearance is that of a historical record or a legal document from a past era.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurriness.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

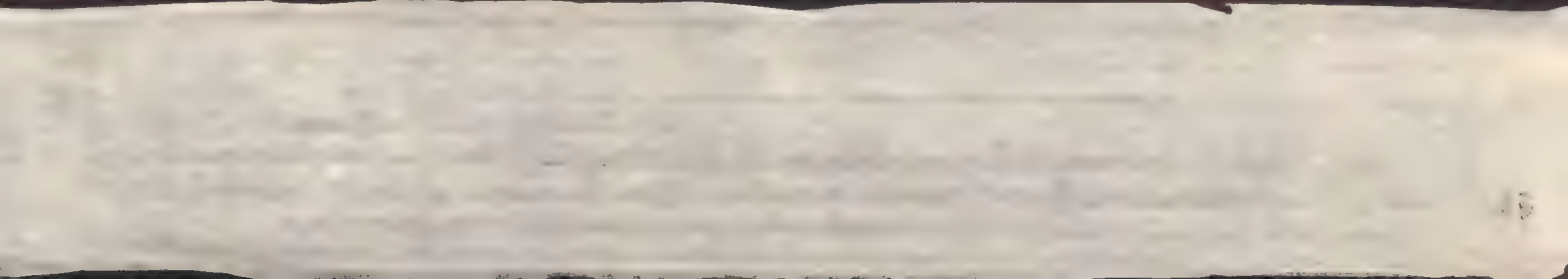
[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]





॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

71

[illegible]

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

2. अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥

3. मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ २ ॥

4. अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥

5. मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ३ ॥

6. अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1761
1762
1763
1764
1765
1766
1767
1768
1769
1770
1771
1772
1773
1774
1775
1776
1777
1778
1779
1780
1781
1782
1783
1784
1785
1786
1787
1788
1789
1790
1791
1792
1793
1794
1795
1796
1797
1798
1799
1800

1761

1762

1763

1764

1765

10/10/10

10/10/10

10/10/10

३७। । कुलप्रवसासमस्तुष्टिस्तुष्ट्यकरवसेवसमुदलुदयोल्लेखान्निरुद्धः । सप्तदशकालेऽस्मिन्वसवत्तुष्ट्यस्य ।

[illegible]

[illegible]

卷之四

100

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पञ्चमः दशै रचयुष्येकै रचयययययय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

संक्षेपसंस्कृतशब्दकोश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

2575

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुष्पाक्षरस्य यकुं पुष्पाक्षरा विपदा कुम्भसंयुक्तस्य ५२५ पुष्पाक्षरा विपदा कुम्भसंयुक्तस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विषय बुद्धमार्गसंग्रहस्य प्रथमः अध्यायः।

1954年12月

1517

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

SCA

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ पञ्चविंशोऽध्यायः
 ॐ ह्रीं क्लीं बुद्धये नमः
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ पञ्चविंशोऽध्यायः
 ॐ ह्रीं क्लीं बुद्धये नमः
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blur and noise. It appears to be a collection of handwritten notes or a manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

24th Nov 1964

1990

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1892年12月12日

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हृदयस्थितं कुरुणाश्रितं

20/1/1921

... ..

अथर्ववेदः

1. *Chlorophyll a*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

0-79987

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

22

2000

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अथ

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

NA

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to consist of several lines of handwritten script.)

[illegible]

1. <i>[Faint handwritten text]</i> 2. <i>[Faint handwritten text]</i> 3. <i>[Faint handwritten text]</i> 4. <i>[Faint handwritten text]</i> 5. <i>[Faint handwritten text]</i> 6. <i>[Faint handwritten text]</i> 7. <i>[Faint handwritten text]</i> 8. <i>[Faint handwritten text]</i> 9. <i>[Faint handwritten text]</i> 10. <i>[Faint handwritten text]</i>	1. <i>[Faint handwritten text]</i> 2. <i>[Faint handwritten text]</i> 3. <i>[Faint handwritten text]</i> 4. <i>[Faint handwritten text]</i> 5. <i>[Faint handwritten text]</i> 6. <i>[Faint handwritten text]</i> 7. <i>[Faint handwritten text]</i> 8. <i>[Faint handwritten text]</i> 9. <i>[Faint handwritten text]</i> 10. <i>[Faint handwritten text]</i>	1. <i>[Faint handwritten text]</i> 2. <i>[Faint handwritten text]</i> 3. <i>[Faint handwritten text]</i> 4. <i>[Faint handwritten text]</i> 5. <i>[Faint handwritten text]</i> 6. <i>[Faint handwritten text]</i> 7. <i>[Faint handwritten text]</i> 8. <i>[Faint handwritten text]</i> 9. <i>[Faint handwritten text]</i> 10. <i>[Faint handwritten text]</i>
--	--	--

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is highly faded and illegible due to the quality of the scan. The script appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The text is enclosed within a rectangular border.

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is organized into several columns and rows, with some lines starting with numbers (e.g., १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००). The text appears to be a list or account, possibly related to a religious or administrative context. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark.

[illegible]

[illegible]

10/24/2010 10:24 AM 10/24/2010 10:24 AM

18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 8

॥ अथ भवभूतयुगलद्वयस्य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

१०१
 १०२
 १०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in multiple lines, with some entries appearing to be organized into columns or sections. The script is dense and cursive, typical of older handwritten documents. The text is enclosed within a rectangular border.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in horizontal lines, with some lines appearing to be headings or titles. The script is dense and cursive, typical of older Indian manuscripts. The text is written on aged, slightly discolored paper.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]

॥ ॐ ॥

महामहोपाध्यायस्य

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

संस्कृतभाषायां

शब्दार्थसंग्रहः

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple columns of handwritten text in Devanagari script. The text is highly faded and difficult to decipher. There are approximately 6-7 lines of text visible across the page.]

[illegible]

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

1951 15/10/51

7/A

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a cursive style and spans multiple lines across the page.

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्री-॥ विष्णवे । शिवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीभक्त्यारविन्दम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीपञ्चतन्त्रम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीश्रीगुरुपदार्पणम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीश्रीगुरुपदार्पणम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीश्रीगुरुपदार्पणम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीश्रीगुरुपदार्पणम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to consist of several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, though some are partially obscured or faded. The script is cursive and appears to be from the 18th or 19th century. The document is enclosed in a simple rectangular border.

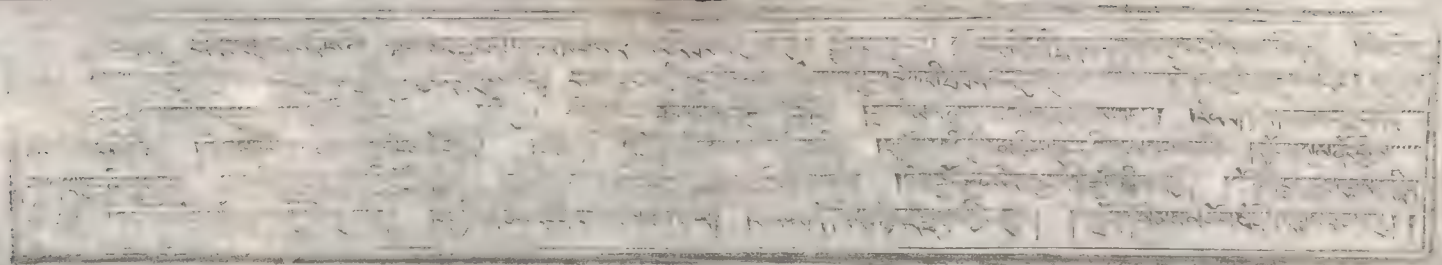
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
सामान्यतः ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥
अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥
अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥
अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥
अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥ अस्मिन्निमित्ते ॥

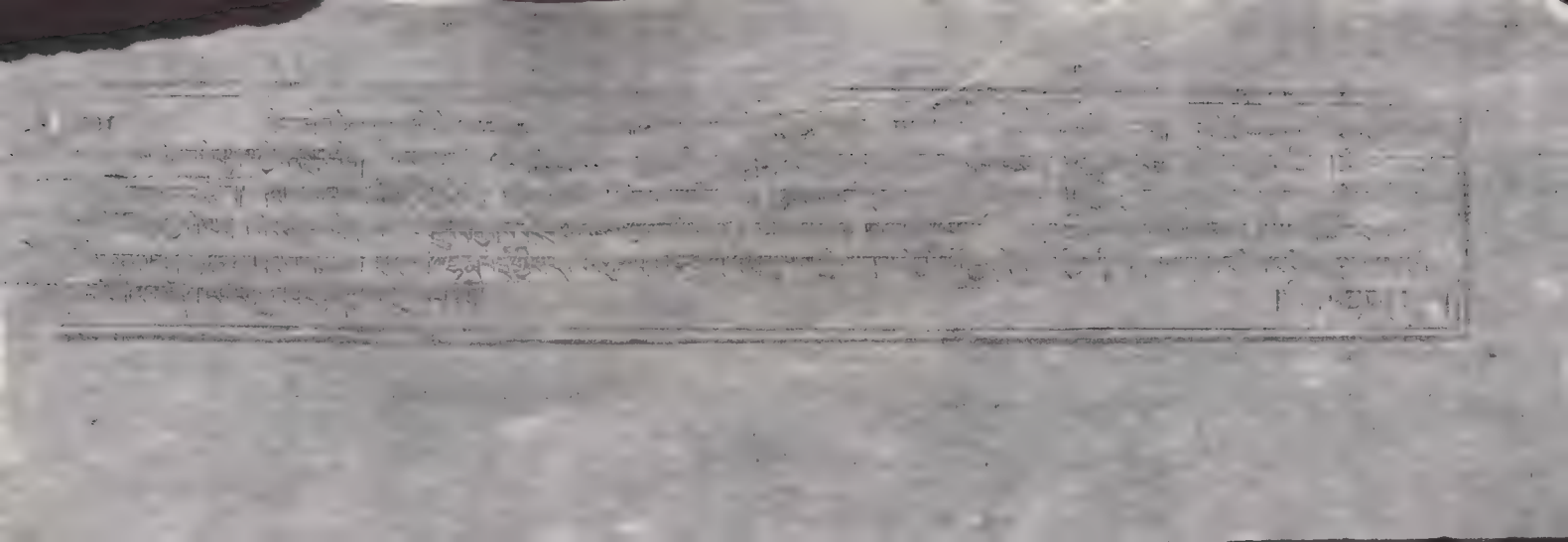
Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, though some are partially obscured or faded. The script is cursive and appears to be from a past era. The document is enclosed in a simple rectangular border.

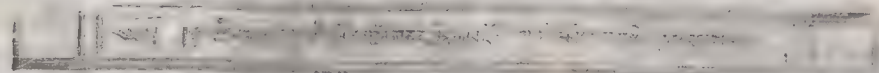
[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is arranged in several lines, with some words appearing to be in a different script or dialect. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark. The text is enclosed in a rectangular border.

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and the ink is dark. The document appears to be a record or a letter, possibly related to a legal or administrative matter. The text is written in a cursive style, characteristic of older handwritten documents. The lines are separated by thin horizontal lines, suggesting a structured format. The overall appearance is that of an aged, possibly leather-bound, manuscript page.







सिद्धांत

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

संज्ञासूत्रम् ५२९

ਸਾਧੁਪਦਮ ਸਦਸਾਧਨਾਧਿਪਤਿ ॥ ਸਾਧੁਪਦਮ ॥ ਸਾਧੁਪਦਮ ॥

[illegible]

1944

१५४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

1925

一、二、三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1992

1990

| |
|-----|
| 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 |
|-----|

[Faint, illegible text]

Figure 1

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines, with some words appearing to be in a different script or language, possibly indicating a bilingual or multilingual context. The handwriting is dense and somewhat difficult to decipher due to the cursive style and the age of the document.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्यः ॥ त्वं प्रवक्ष्यस्व मे ॥ नन्दन ॥
 कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं भवत्स्य ॥
 पाण्डवैर्बलं द्रुपदमुनि-
 शिष्यः ॥ त्वं प्रवक्ष्यस्व मे ॥
 नन्दन ॥ कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं
 भवत्स्य ॥ पाण्डवैर्बलं

[illegible]

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

937



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, though some are partially obscured or faded. The script is cursive and appears to be from a past era. The document is enclosed in a simple rectangular border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script.)

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a rectangular box, likely a title or header, in a script that appears to be Urdu or Persian. The text is enclosed in a decorative border.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.]

[illegible]

५९१ ॥ अथ शिवस्य चतुर्विधं रूपं दर्शयित्वा तत्रैव निश्चितं भक्त्या यत्नं कर्तव्यं ।
 तदा सर्वदुःखानां नाशो भविष्यति । अथ शिवस्य चतुर्विधं रूपं दर्शयित्वा तत्रैव
 निश्चितं भक्त्या यत्नं कर्तव्यं । तदा सर्वदुःखानां नाशो भविष्यति । अथ शिवस्य
 चतुर्विधं रूपं दर्शयित्वा तत्रैव निश्चितं भक्त्या यत्नं कर्तव्यं । तदा सर्वदुःखानां
 नाशो भविष्यति । अथ शिवस्य चतुर्विधं रूपं दर्शयित्वा तत्रैव निश्चितं भक्त्या
 यत्नं कर्तव्यं । तदा सर्वदुःखानां नाशो भविष्यति । अथ शिवस्य चतुर्विधं रूपं
 दर्शयित्वा तत्रैव निश्चितं भक्त्या यत्नं कर्तव्यं । तदा सर्वदुःखानां नाशो भविष्यति ।

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur.)

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

157

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ यथाशक्तं विदुषां विचारः ॥ अथ यथाशक्तं विदुषां विचारः ॥

॥ ५८० ॥ श्रीगणेशाय नमः । अथ ब्रह्मसूत्रम् । ब्रह्मसूत्रं कुरुते सायनमुनिः । ब्रह्मसूत्रं कुरुते सायनमुनिः ।

[illegible]

59751

[The following text is heavily obscured by horizontal black bars.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

11

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे शिष्यः ।
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
माभिमन्युः पांडवश्चैत्रांगीतस्तथासुखाकरम् ।
सर्वधामनि सुविशत इति तस्मात्तु त्वमेव हि ।
ब्रह्मणेन्द्रियविभक्त्या यज्ञोपासीत संयुतः ।
अथ श्रीकृष्ण उवाच । अर्जुन ! त्वं कुरु योगं ।
प्रसादात्प्राप्स्यस्य विजयं । अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
अर्जुन ! त्वं कुरु योगं । प्रसादात्प्राप्स्यस्य विजयं ।

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

... ॥ वसिष्ठ उवाच ॥ अथ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥
... ॥ ब्रह्मविद्यायां श्रीगणेशोपनिषत् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पापं कुरुष्व मे न त्वां शिरसा मया ।
प्रहृत्य धूम्रकर्णः । त्वं ह्यर्जुन दैत्यराजः । प्रहृत्य धूम्रकर्णः । त्वं ह्यर्जुन दैत्यराजः । प्रहृत्य धूम्रकर्णः । त्वं ह्यर्जुन दैत्यराजः ।

[illegible]

[illegible]

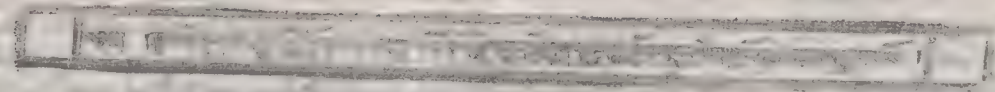
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines, with some words appearing to be in a different script or dialect. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark. The text is enclosed in a rectangular border.



10.11

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script, possibly Indic or Persian.]

三



[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2071

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

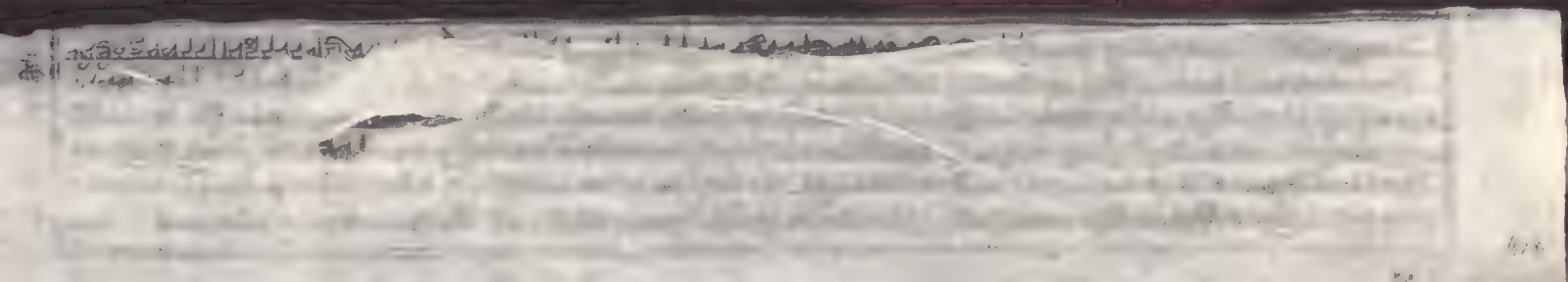
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



Handwritten text in a script, possibly Urdu or Persian, located in the upper left corner of the image.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

19

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or document. The text is written in dark ink on a light-colored paper. The handwriting is somewhat faded and the ink is slightly blurred. The text is organized into several lines, with some lines starting with a capital letter. The overall appearance is that of an old, handwritten document.

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in horizontal lines across the page. The script is somewhat faded and the ink is dark. The content appears to be a list or record of items, possibly related to a library or collection, as suggested by the word "संग्रह" (Sangraha) visible in the first line. The text is written in a cursive style typical of older Indian manuscripts.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चिन्ममाकाङ्क्षन्तः समासेमः ॥ त्वं हि पाण्डवा-
न्निबोधस्व ज्ञानभार्यसाधकः ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ।
पाण्डव ! त्वं हि महाबाहो ! शत्रून्निबोधस्व ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चिन्ममाकाङ्क्षन्तः समासेमः ॥ त्वं हि पाण्डवा-
न्निबोधस्व ज्ञानभार्यसाधकः ॥ ३ ॥ द्रुपद उवाच ।
पाण्डव ! त्वं हि महाबाहो ! शत्रून्निबोधस्व ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चिन्ममाकाङ्क्षन्तः समासेमः ॥ त्वं हि पाण्डवा-
न्निबोधस्व ज्ञानभार्यसाधकः ॥ ५ ॥ द्रुपद उवाच ।
पाण्डव ! त्वं हि महाबाहो ! शत्रून्निबोधस्व ॥ ६ ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive style and is somewhat faded. It appears to be a single line of text, possibly a verse or a chapter heading. The script is dense and fills most of the page.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

उदयपुरमध्यप्रदेश

701

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript from the previous page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

७३

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्योऽष्टमोऽध्यायः ॥

॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधमन्युः शूरायुधमन्युं वदति ॥

॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधमन्युः शूरायुधमन्युं वदति ॥

॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधमन्युः शूरायुधमन्युं वदति ॥

॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधमन्युः शूरायुधमन्युं वदति ॥

॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तायुधमन्युः शूरायुधमन्युं वदति ॥

MA

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्णार्पणं कृष्णाय नमः ॥ कृष्णस्यैव शरणं गच्छामहे ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible][illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तप्रसादपञ्चरत्नम् ॥
 प्रथमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 द्वितीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 तृतीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 चतुर्थं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 पञ्चमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 षष्ठं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 सप्तमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अष्टमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 नवमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 दशमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

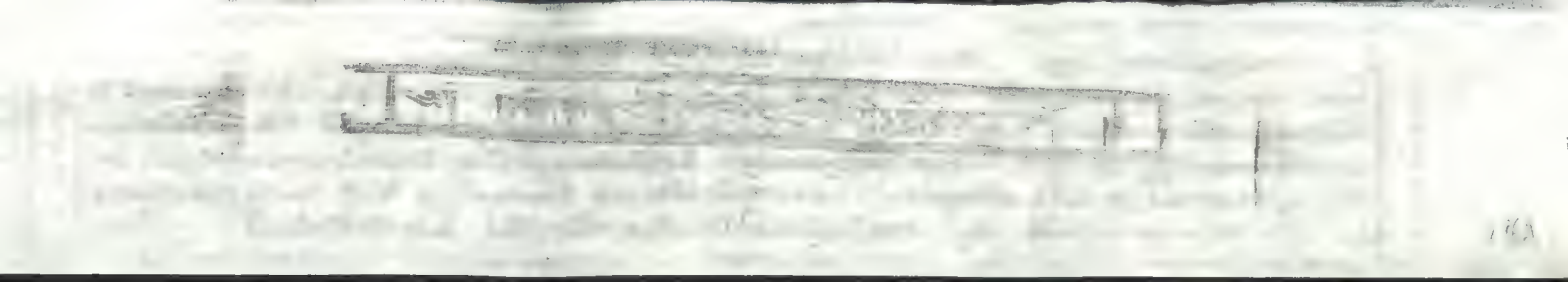
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महात्मनाम् ।
 त्वं प्रदिशस्व मे परमं देव गीतम् ।
 ब्रह्मविद्यामात्मनस्तथा विभक्तम् ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः । सँवितानि मातराः
 पश्यत इमान्सूत महामतीन् ।
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् युधिष्ठिरपांडवैश्च ॥
 भीमार्जुनसमन्वितः द्रुपदकुलजः ॥
 शैब्यश्च विक्रान्तः क्षेमप्रसादपुंगव ॥
 साधुर्वीर्यवान् महेन्द्रः धृष्टकेतुश्च ॥
 धृष्टद्युम्नश्च विक्रान्तः शैब्यश्च वीरवान् ॥
 जयद्रथपुत्रश्च द्रुपदश्च महारथः ॥
 सुकर्णश्च शैब्यश्च द्रुपदश्च वीरवान् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महात्मनाम् ।
 त्वं प्रदिशस्व मे परमं देव गीतम् ।
 ब्रह्मविद्यामात्मनस्तथा विभक्तम् ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः । सँवितानि मातराः
 पश्यत इमान्सूत महामतीन् ।
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् युधिष्ठिरपांडवैश्च ॥
 भीमार्जुनसमन्वितः द्रुपदकुलजः ॥
 शैब्यश्च विक्रान्तः क्षेमप्रसादपुंगव ॥
 साधुर्वीर्यवान् महेन्द्रः धृष्टकेतुश्च ॥
 धृष्टद्युम्नश्च विक्रान्तः शैब्यश्च वीरवान् ॥
 जयद्रथपुत्रश्च द्रुपदश्च महारथः ॥
 सुकर्णश्च शैब्यश्च द्रुपदश्च वीरवान् ॥

श्री गुरुभ्यो नमः । श्री गणेशाय नमः । श्री विष्णवे नमः । श्री ब्रह्माय नमः ।
 श्री शिवाय नमः । श्री कृष्णाय नमः । श्री रामाय नमः । श्री हनुमान्‌देवाय नमः ।
 श्री महाशक्तिाय नमः । श्री लक्ष्मीदेव्याय नमः । श्री सूर्याय नमः । श्री वायुदेवाय नमः ।
 श्री अग्निदेवाय नमः । श्री जलदेवाय नमः । श्री पृथ्वीदेवाय नमः । श्री इन्द्राय नमः ।
 श्री वरुणाय नमः । श्री इंद्रायाय नमः । श्री कुबेराय नमः । श्री यामायाय नमः ।
 श्री तारायाय नमः । श्री भद्रायाय नमः । श्री दुर्गादेव्याय नमः । श्री सरस्वतीदेव्याय नमः ।
 श्री कामाख्यादेव्याय नमः । श्री उग्रदेव्याय नमः । श्री महाकालाय नमः । श्री कालाय नमः ।
 श्री महाशैवालानां नमः । श्री महाशक्त्याय नमः । श्री महाविष्णवे नमः । श्री महाब्रह्माय नमः ।
 श्री महाशिवाय नमः । श्री महाकृष्णाय नमः । श्री महारामाय नमः । श्री महानंद्याय नमः ।
 श्री महामोक्षदाय नमः । श्री महामहिम्नाय नमः । श्री महामूर्त्याय नमः । श्री महामन्त्राय नमः ।
 श्री महामंत्रिणे नमः । श्री महामंत्रिणी नमः । श्री महामंत्रिण्यै नमः । श्री महामंत्रिण्याय नमः ।
 श्री महामंत्रिण्यै नमः । श्री महामंत्रिण्याय नमः । श्री महामंत्रिण्यै नमः । श्री महामंत्रिण्याय नमः ।



[illegible]

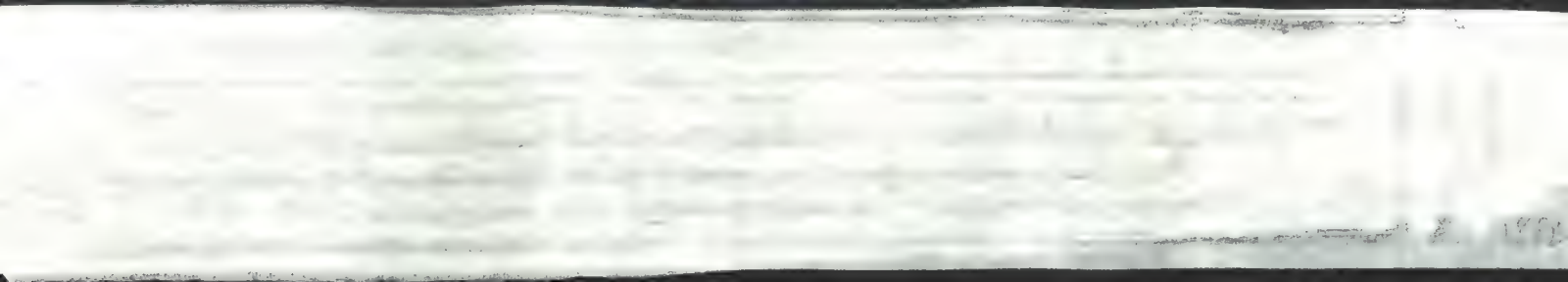
[illegible]

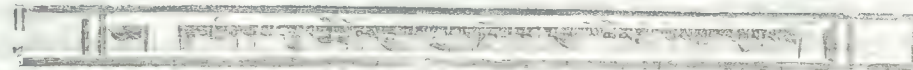
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं

सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं

सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं





[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring.]

1998

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथ कवचम् ॥

5

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

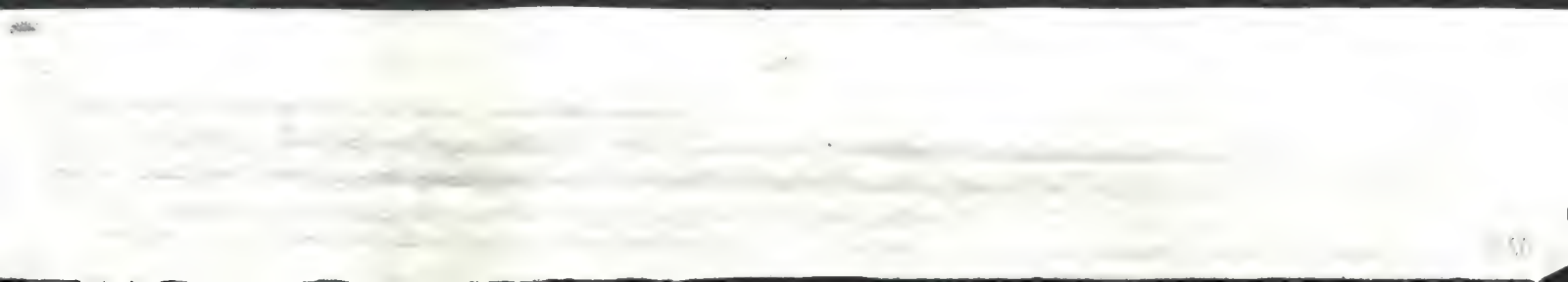
[illegible]

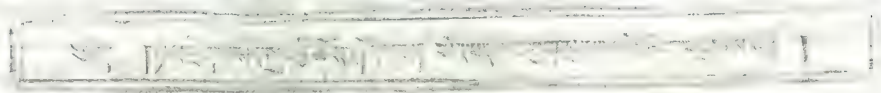
[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.)





[illegible]

DECEMBER

[illegible]

1. *Journal of the American Medical Association*, 1997; 277: 1039-1043.

1. *Journal of the American Medical Association*, 1997; 277: 1027-1031.

STYLUS: A NEW YORKER

STAFF: 10

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

... ..

100

● 中国书画函授大学肇庆分校

... ..

1955

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1997

图 2-1-1 中国主要城市人口密度分布图

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

1990

Figure 1. Schematic diagram of the experimental setup. The subject is seated in a chair and views the target through a video camera. The target is a light source that is controlled by a computer. The subject's hand is positioned at the target location. The target is a light source that is controlled by a computer. The subject's hand is positioned at the target location.

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

འབྲུག་རྒྱལ་ཁབ་དང་ཨ་ཕིས་ཀྱི་ཆོས་པུན་གྱི་མཉམ་སྐྱེའོ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

(Faint, illegible handwritten notes)

100

1907

[illegible]

U.S. DEPARTMENT OF THE ARMY
15th REGIMENT, INFANTRY

UNITED STATES DEPARTMENT OF AGRICULTURE

9

7581900-000

10. 11. 1944

[Faint, illegible text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a ledger or account book. The text is organized into columns and rows, with some entries underlined. The script is cursive and somewhat faded. The text appears to be a record of transactions or accounts, possibly related to a business or government office. The columns are separated by vertical lines, and the rows are separated by horizontal lines. The text is written in a dark ink on a light-colored paper.

27

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Main body of handwritten text, consisting of several lines of script.

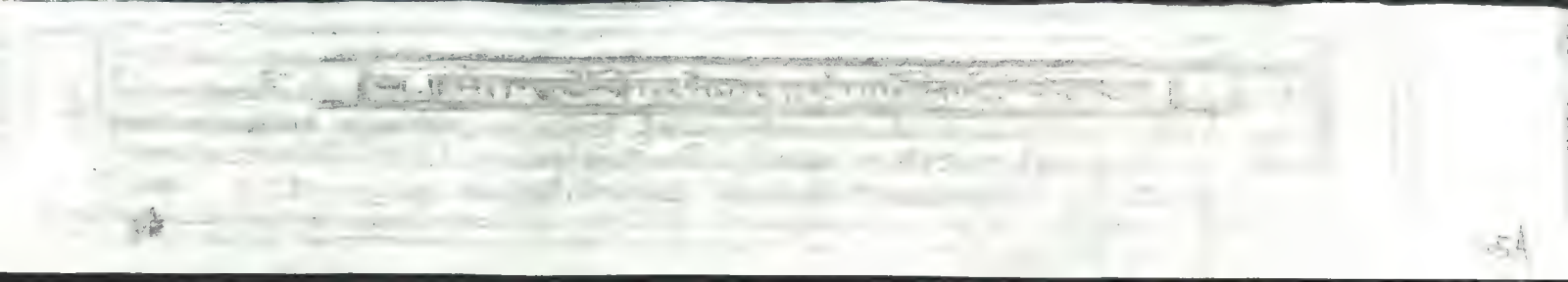
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or record. The text is arranged in two rows. The first row contains several entries, some of which are underlined. The second row contains more entries, also some underlined. The handwriting is somewhat cursive and the ink is dark on a light background.





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । वसुधैव कुटुम्बकम् । सर्वमदमायुः परमहंसोऽयम् । विष्णुसुखं विष्णुसुखं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

कलकत्ता संसद सचिवालय
पत्रिका संसद सचिवालय
इकाग्र संसद सचिवालय

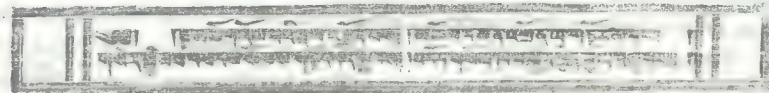
॥ अथ च पापं यत्कृतं तस्य फलं यत्फलं संपन्नं तद्विनाशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



203

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.)

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

Figure 1

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is organized into columns and rows, with some lines starting with vertical markers (possibly indicating new entries or sections). The script is dense and appears to be a historical record or account.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः कौरवस्य द्रुपदः ॥ वीर्यवान् द्रुपदः कौरवस्य द्रुपदः ॥ २ ॥
द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ अहो भवतु पाण्डव ॥ १० ॥

१११ | ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो द्रुपद उवाच ॥ १ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ २ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ३ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ४ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ५ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ६ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ७ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ८ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ ९ ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया श्रोत्रं श्रुत्वा हृदि स्थित्वा ॥ पश्यन्निद्रां त्यक्त्वा मुखात् प्रसीधति ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12A

[illegible]

卷之四

5

[The following text is extremely faded and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit or Hindi script.]

223p

[illegible]

॥ इति सुन्दरमहाकाव्यम् ॥

सुखमयवादे वै कदाचिदप्यस्ति

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ द्वादशवक्त्रं शम्भुं १५३९ ॥

विद्याद्वयसमस्तस्यैव।

五、研究：研究是科學的靈魂，是科學進步的動力。研究是科學家在科學領域中，對未知事物進行探索、發現和創造的過程。研究是科學家在科學領域中，對未知事物進行探索、發現和創造的過程。

॥ १०८ ॥

1990

पञ्चमः सर्गः

三、

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

95857

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

一、

1990

1998

1977

DEPARTMENT 2529

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

[illegible]

RANKING

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, organized into approximately 10 horizontal lines. The text appears to be a collection of verses or a continuous narrative. The script is somewhat faded and the ink is dark.

Handwritten text in the bottom right corner, possibly a signature or a date.

Handwritten text in Devanagari script, organized into multiple columns and rows. The text appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative document. The script is dense and fills most of the page area.

THE

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[The following section contains several rows of handwritten text in Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side)

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1970

[illegible]

1957

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1. The first step in the process is to identify the problem or issue that needs to be addressed. This involves gathering information and understanding the context of the problem.

[illegible]

१३३३ ॥ १३३३ ॥ १३३३ ॥ १३३३ ॥ १३३३ ॥

विष्णुसदा त्वत्पुत्रसदा त्वत्पुत्रसदा

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

विद्यया यत्कृतं तद्विदुः

1952年10月1日

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥

1990年12月15日

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཇུག་པོར་སྤངས་ཆད་ད། །ཇུག་པོར་

० अंश यत्नः दयालुता सुखदा

156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106 1107 1108 1109 1110 1111 1112 1113 1114 1115 1116 1117 1118 1119 1120 1121 1122 1123 1124 1125 1126 1127 1128 1129 1130 1131 1132 1133 1134 1135 1136 1137 1138 1139 1140 1141 1142 114

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

700

1877

17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 85

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

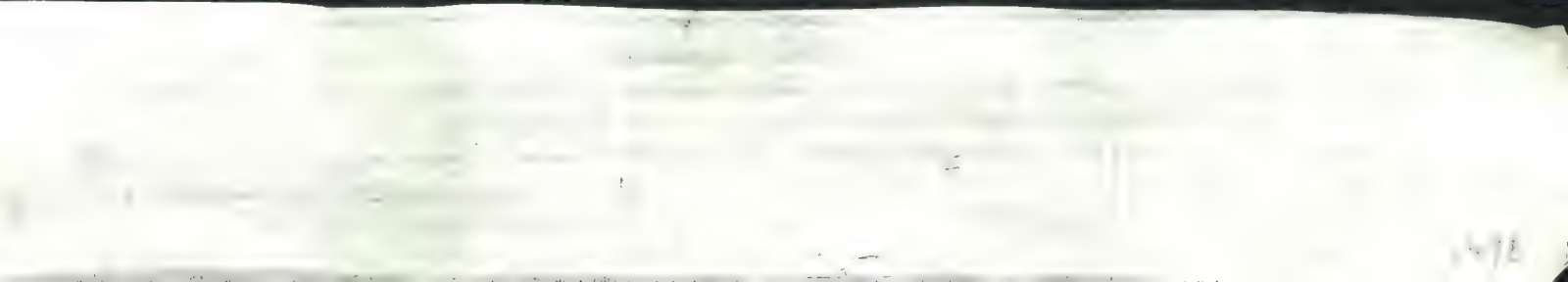
[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Tibetan script arranged in approximately five horizontal rows.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible.]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कथयामि त्वं शृणु मे शिष्य ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten script.]

Handwritten marginalia on the left side, likely a list or index.

Handwritten marginalia on the left side, likely a list or index.

Handwritten text in a script, possibly Tibetan or Sanskrit, arranged in horizontal lines. The text is enclosed in a rectangular border. The script is highly stylized and appears to be a form of Buddhist or philosophical text.

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme contrast reduction. It appears to consist of approximately six lines of handwritten script.]

25A

[illegible]

[illegible]

[illegible]

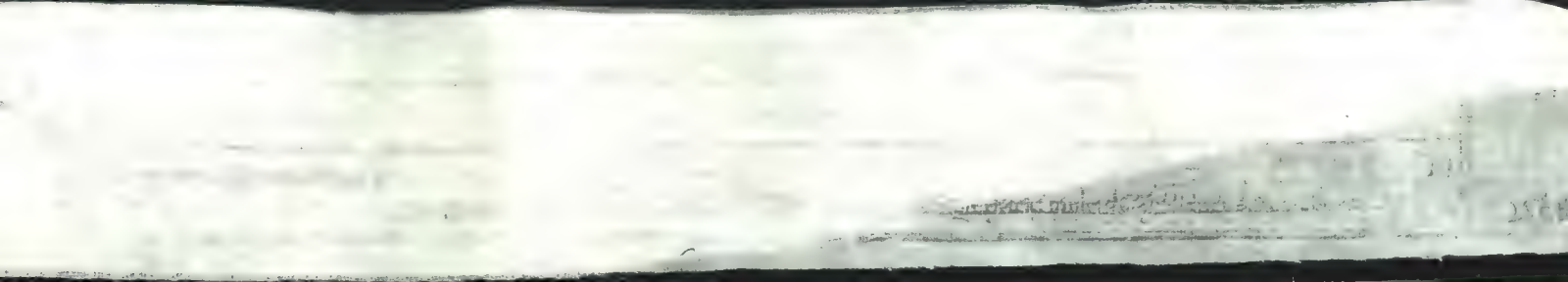
[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

NSA



[Faint handwritten Devanagari script]

354

Handwritten text on a piece of paper, possibly a receipt or note, with two lines of cursive script. The text is difficult to decipher due to the cursive style and fading.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ।

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
सामान्यतः ॥

॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

186

[illegible]

75

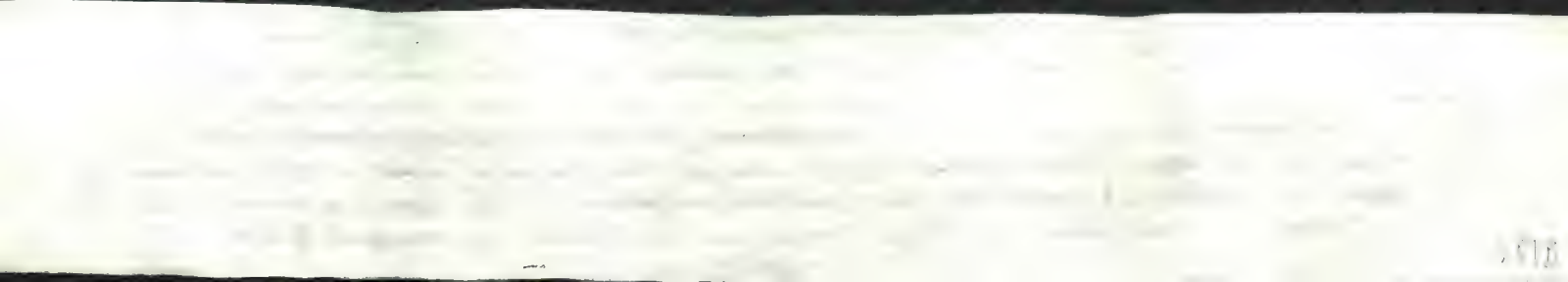
[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

Handwritten mark or signature at the bottom right corner.



ॐ। विष्णुपदं नमस्कृत्य पराशरसूत्रं प्रोक्तम्।
विष्णुपदं नमस्कृत्य पराशरसूत्रं प्रोक्तम्।

(Faint handwritten text in Devanagari script)

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ।
 ॥ २ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतान् ।
 तदा द्रुपद उवाच ।
 ॥ ३ ॥ सौमेधिव्यसनि शिष्यस्तु
 त्वामहं ब्रूयांस्त्वत्पाठश्रवणात् ।
 ॥ ४ ॥ यथा ह्यर्जुन त्वं प्रसीदस्य मे
 वक्तुं हि त्वं महाबाहो नरेश्वर ।
 ॥ ५ ॥

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a South Asian script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is written on aged, slightly discolored paper.

Handwritten marginal notes on the bottom right corner of the page.

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous line of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । दशरथ उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनपुंगव ॥ १ ॥



275A

विश्वविद्यालय, दिल्ली

पञ्चमः अथ पञ्चमः अथ पञ्चमः अथ पञ्चमः अथ पञ्चमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सिद्धिगुणविशेषः

2095505

VE

[illegible]

三、三、三、三

1997

1A

[illegible]

57A

[illegible]

[illegible]



THE UNIVERSITY OF CHICAGO

245

विश्व-विद्यालय-विद्यालय-विद्यालय

ENVIRONMENTAL SCIENCE

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

12009.315700412742424

12-11-15 04:00 PM - 12-11-15 04:00 PM

संस्कृत-विभाग

मदयपक मयपक

(१) सप्तमः पदः कुरुकुरु

2015年12月

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ST. JOHN'S

500



1947

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

(The following text is partially obscured by a large black redaction mark.)

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1871

1877

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

1997

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

日知錄

中國之

111

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

སྐུ་རྒྱལ་བའི་སྤྲོད་པའི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་
 ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་
 ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་
 ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་ལྷོ་ཁུངས་ཀྱི་མཆོག་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་༡༩༨༢་ལོ་ནི་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरमुत्तरेण हस्तैश्च निक्षिप्य
विह्वलचित्तोऽहम् । द्रुपदमुवाच । तत्रास्ति युधिष्ठिरः ।
तच्छीघ्रं गच्छ तत्र । वीर्यवान् महाबलवान् । स
पाशान् कुरुष्व विहाय । धर्मधनुर्विशालजम् ।
सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् ।
सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् ।
सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् ।
सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् ।
सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् । सर्वपाशां प्रहरन् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँक्षन्ति मामाश्रितम् । त्वं हि पांडव्यैरपि शत्रुपुंगवैश्च
प्रहृत्य मया हतः प्रहृत्य च तेनानामपि । त्वं हि महाबाहो
सर्वभूतहितं विना विहास्यस्व जयं । त्वं हि पांडवैरपि शत्रुपुंगवैश्च
प्रहृत्य मया हतः प्रहृत्य च तेनानामपि । त्वं हि महाबाहो
सर्वभूतहितं विना विहास्यस्व जयं ।

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in two lines across the top of the page. The first line contains approximately 25 characters, and the second line contains approximately 20 characters. The script is highly stylized and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
श्रीकृष्णसद्वर्णनं ।

ॐ । सुमहोत्सवार्थं यथायथा । कर्मसु सुखं सुमहोत्सवार्थं यथायथा । देवीयार्थं यथायथा ।
 यदेव । । यथायथा सुमहोत्सवार्थं यथायथा । कर्मसु सुखं सुमहोत्सवार्थं यथायथा । देवीयार्थं यथायथा ।
 यथायथा सुमहोत्सवार्थं यथायथा । कर्मसु सुखं सुमहोत्सवार्थं यथायथा । देवीयार्थं यथायथा ।
 कर्मसु सुखं सुमहोत्सवार्थं यथायथा । कर्मसु सुखं सुमहोत्सवार्थं यथायथा । देवीयार्थं यथायथा ।

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँक्षन्ति मामाश्रितम् । त्वं हि पांडव्यैरपि वीर्यवान्
तस्मात्पांडवैश्च श्रेष्ठैर्वीरैश्चैव संजितधनुषधरा ।
तत्र स्थित इति चेन्न विदुः स्यात्तव ह्यर्जुनस्य च ।
तत्रैव त्वं पांडुपुत्रेण सह बभूवुः प्रह्लादादिभिः ।
तत्रैव त्वं दुर्योधनाद्यैश्च बहुधा संविवर्धितः ।
तत्रैव त्वं महावीर्यवान् द्रुपदपुत्रेण सह युधि ।
तत्रैव त्वं द्रुपदपुत्रेण सह युधि युद्धे महामुनेन ।
तत्रैव त्वं द्रुपदपुत्रेण सह युधि युद्धे महामुनेन ।
तत्रैव त्वं द्रुपदपुत्रेण सह युधि युद्धे महामुनेन ।

[illegible]

७३। नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

知

2057

Handwritten text, possibly a signature or title, located at the bottom center of the page.

120

पञ्चमः प्रश्नः पञ्चमः प्रश्नः पञ्चमः प्रश्नः पञ्चमः प्रश्नः पञ्चमः प्रश्नः

...
...
...
...

...
...
...
...

...
...
...
...

...
...
...
...

...
...
...
...

...
...
...
...

...
...
...
...

2131

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

三



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

徐子方

11/23/21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन् मधुसूदन ।
 तस्मात्सर्वभूतहर्त्रा महामात्मनो हि भव्यम् ।
 बलमेव प्रकटयिष्यामि ते वीर्यवान्पुमान् ।
 तदा शिरसा हस्तौ च दधानः शूरा मया कृतम् ।
 त्रिशूलं पशुपादौ च घ्नान् विप्रसक्तबलिनः ।
 त्वं चाप्यनुब्रूयस्व मे परावैता यो जनाधिप ।
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३७। विष्णुपदं च दशवक्त्रं वक्राङ्गं त्रिचक्रेण कर्मभिः सैः सर्वं कर्माणि यन्निष्ठं यन्मूर्तिर्यन्मयं यन्नादिना । अनेनैव सर्वं भूतसुखदुःखान्तोक्तं जगता । विष्णुदेव
विष्णुपदं च दशवक्त्रं वक्राङ्गं त्रिचक्रेण कर्मभिः सैः सर्वं कर्माणि यन्निष्ठं यन्मूर्तिर्यन्मयं यन्नादिना । अनेनैव सर्वं भूतसुखदुःखान्तोक्तं जगता । विष्णुदेव
विष्णुपदं च दशवक्त्रं वक्राङ्गं त्रिचक्रेण कर्मभिः सैः सर्वं कर्माणि यन्निष्ठं यन्मूर्तिर्यन्मयं यन्नादिना । अनेनैव सर्वं भूतसुखदुःखान्तोक्तं जगता । विष्णुदेव
विष्णुपदं च दशवक्त्रं वक्राङ्गं त्रिचक्रेण कर्मभिः सैः सर्वं कर्माणि यन्निष्ठं यन्मूर्तिर्यन्मयं यन्नादिना । अनेनैव सर्वं भूतसुखदुःखान्तोक्तं जगता । विष्णुदेव

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ कथा श्रीमद्भगवत्पदस्य ॥

[illegible][illegible][illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

5-4

佛

咳

$\langle 450 \times 80 \times 110 \rangle$

原: 3760
858

2:0614

[illegible]

314A

[illegible]